प्रादर्श प्रश्न पत्र 2013–14

विषय – सामाजिक विज्ञान (Social Science)
कक्षा – दसवीं
सेट–सी

समय– 3 घंटे **पूर्णांक– 100**
Time- 3 Hours **Maximum Mark – 100**

निर्देश–

i. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
ii. प्रश्न पत्र में दिये गये निर्देश सावधानी पूर्वक पढ़कर उत्तर लिखिए।
iii. प्रश्न 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न है जिनके अन्तर्गत रिक्त स्थानों की पूर्ति, सत्य/असत्य, सही जोड़ी बनाना, एक वाक्य में उत्तर तथा सही विकल्प का चयन करना है। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। 1x5= 5x5 = 25 अंक
iv. प्रश्न क्रमांक 6 से 24 तक में आन्तरिक विकल्प दिये गये है।
v. प्रश्न क्रमांक 6 से 10 तक प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक एवं प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 शब्दों में लिखना है।
vi. प्रश्न क्रमांक 11 से 17 तक प्रत्येक प्रश्न के लिये 4 अंक एवं प्रश्नों के उत्तर लगभग 75 शब्दों में लिखना है।
vii. प्रश्न क्रमांक 18 से 22 तक प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक एवं प्रश्नों के उत्तर लगभग 120 शब्दों में लिखना है।
viii. प्रश्न क्रमांक 23 तथा 24 में प्रत्येक प्रश्न पर 6 अंक एवं प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों में लिखना है।

Instructions –

i. All question are compulsory.
ii. Please the instructions carefully before writing the answer.
iii. Q. No. 1 to 5 are objective type which contain fill up the Blank, True/False, match the column, one sentence answer and choose the correct answers. Each question is allotted 5 marks. 1x1 = 5x5 =25 Marks.
iv. Internal options are given in Q. No. 6 to 24.
v. Q. No. 6 to 10 carry 2 marks each and answer should be given in about 30 words.
vi. Q. No. 11 to 17 carry 4 marks each and answer should be given in about 75 words.
vii. Q. No. 18 to 22 carry 5 marks each and answer should be given in about 120 words.
viii. Q. No. 23 and 24 carry 6 marks each and answer should be given in about 150 words.

प्रश्न 1. सही विकल्प चुनिये –

(अ) नीली क्रांति का संबंध है –

(i) फलोत्पादन से (ii) मछली उत्पादन से

(iii) भेड़ पालन से (iv) दुग्ध उत्पादन से

(ब) निम्नलिखित में जैविक आपदा है –

(i) बम विस्फोट (ii) ज्वालामुखी

(iii) बर्ड फ्लू (iv) सुनामी

(स) कांग्रेस का विभाजन हुआ था –

(i) सूरत अधिवेशन में (ii) नागपुर अधिवेशन में

(iii) लाहौर अधिवेशन में (iv) बम्बई अधिवेशन में

(द) पंजाब के गवर्नर ओ. डायर की गोली मारकर हत्या की थी –

(i) भगत सिंह ने (ii) चन्द्रशेखर आजाद ने

(iii) ऊधमसिंह ने (iv) मंगल पाण्डे ने

(इ) नशा मुक्ति के लिए मद्य–निषेध अभियान चलाया था –

(i) जवाहलाल नेहरू ने (ii) लाल बहादुर शास्त्री ने

(iii) स्वामी विवेकानन्द ने (iv) महात्मा गांधी ने

Choose the correct option -

(a) Blue revolution is related to -

(i) Fruit Production (ii) Fish Production

(iii) Sheep Rearing (iv) Milk Production

(b) Which one of the following is a biological disaster -

(i) Bomb Explosion (ii) Volcano

(iii) Bird Flue (iv) Tsunami

(c) Congress was divided in -

(i) Surat Session (ii) Nagpur Session

(iii) Lahore Session (iv) Bombay Session

(d) The Governor of Punjab O Dyre was shot dead by -

(i) Bhagat Singh (ii) Chandra Shekhar Azad

(iii) Udham Singh (iv) Mangal Pandey

(e) Who started the Prohibition Movement against liquor consumption -

(i) Jawahar Lal Nehru (ii) Lal Bahadur Shastri

(iii) Swami Vivekanand (iv) Mahatma Gandhi

प्रश्न 2. निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(i) घाना पक्षी विहार.....राज्य में स्थित है।

(ii) भारत का सर्वश्रेष्ठ सूती वस्त्र औद्योगिक केन्द्र.....है।

(iii) सन् 1875 में अलीगढ़ में मुहम्मदन ऐग्लो ओरियंटन कॉलेज की स्थापना .....ने की।

(iv) अर्थव्यवस्था को .....क्षेत्रों में विभाजित किया जाता है।

(v) लोक सभा अपने सदस्यों में से ही..... का चुनाव करते है।

Fill in the blanks.

(i) Ghana Bird sanctuary is located in.....State.

(ii) The leading centre of Cotton textile Industry of India is.....

(iii) In 1875 in Aligarh Mohammadan Anglo Oriental College was established by.....

(iv) Economy is divided in to.....sectors.

(v) ..... is elected out of the members of Lok Sabha in Lok Sabha.

प्रश्न 3. स्तंभ 'अ' के लिए स्तंभ 'ब' से चुनकर सही जोड़ियां बनाइये–

	अ	–	**ब**
(अ)	भारत की नीति	–	आर्थिक कल्याण
(ब)	परिवहन एवं संचार	–	प्राथमिक क्षेत्र
(स)	अमत्य सेन	–	नेपाल
(द)	मछली पालन	–	शांतिपूर्ण सह अस्तित्व
(इ)	यूनाइटेड टेलीकॉम	–	तृतीयक क्षेत्र

Make the correct pair for column 'A' choosing from column 'B'.

	A	-	B
(a)	Indias Policy	-	Economic Welfare
(b)	Transport & Communication	-	Primary Sector
(c)	Amartya Sen	-	Nepal
(d)	Fishries	-	Peaceful Coexistence
(e)	United Telecom	-	Tertiary Sector

प्रश्न 4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए।

(अ) भारत में आर्थिक नियोजन के अन्तर्गत अब तक कितनी योजनाओं को पूरा किया जा चुका है?

(ब) सेवा क्षेत्र अर्थव्यवस्था का कौन सा क्षेत्र कहलाता है?

(स) राज्य की कार्यपालिका का प्रधान कौन होता है?

(द) जनसंख्या की दृष्टि से भारत का विश्व में कौन सा स्थान है?

(इ) प्रो. अमर्त्य सेन ने विकास का आधार किसे माना है?

Write the answer in one word.

(i) How many plans have been implemented under Economic Planning in India?

(ii) To which sector does Services Sector belong in an Economy?

(iii) Who is the actual head of the executive of the State?

(iv) Which is the place of India in the World with respect to population?

(v) What basis of development has considered by Prof. Amartya Sen?

प्रश्न 5. निम्नलिखित में सत्य अथवा असत्य बताइये –

(अ) उपभोक्ता प्रत्येक व्यक्ति नहीं होता।

(ब) धन विधेयक केवल लोकसभा में ही प्रस्तुत होता है।

(स) कृषि उत्पादों की गुणवत्ता को प्रभावित करने वाले चिन्ह को एग्मार्क कहते है।

(द) संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद थे।

(इ) उपभोक्ता सुरक्षा अधिनियम 1986 को कोपरा के नाम से भी जाना जाता है।

Write True/False in the following -

1. Every person is not a consumer
2. Money bills are introduced only in the House of People.
3. The mark which staudardise the quality of Agro products is known as Agmark.
4. Dr. Rajendra Prasad was the Chairman of the Drafting Committee of Constitution.
5. Consumer Protection Act 1986 is also known as COPRA.

प्रश्न 6. भौम जल पाने के स्त्रोत क्या है?

What are the sources of under ground water?

अथवा
Or

खनिज किसे कहते है।

What is known as minerals?

प्रश्न 7. 1857 की क्रांति की असफलता के दो कारण को लिखिए।

Write two reasons of failure of 1857 revolt.

अथवा
Or

बहिष्कार का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

Clarify the meaning of boycott.

प्रश्न 8. विश्व बैंक के अनुसार विकसित देशों की प्रति व्यक्ति आय कितनी होनी चाहिए? लिखिए।

According to the world bank. What must be the per capita income of the developed countries?

अथवा
Or

बेरोजगारी भत्ता किसे दिया जाता है?

Who is paid unemployment allowance?

प्रश्न 9. सेवा क्षेत्र क्या है?

What is tertiary sector?

अथवा
Or

आयात एवं निर्यात किसे कहते है?

What do you know by Import & Export?

प्रश्न 10. वस्तु के संबंध में सीमित जानकारी प्राप्त होने का क्या परिणाम होता है?

What is the consequence of having limited information about a commodity?

अथवा

Or

राइट टू इन्फॉरमेंशन क्या है?

What is right to information?

प्रश्न 11. ''राष्ट्रीय अर्थ व्यवस्था में उद्योगों का क्या योगदान है?

What is the contribution of Industries in National Economy? Write.

अथवा
Or

औधोगिक प्रदूषण को नियंत्रित करने के चार उपाय बताइए?

Indicate measures which can be taken to control Industrial Pollution?

प्रश्न 12. ''परिवहन तथा संचार के साधन किसी राष्ट्र की जीवन रेखाएं है।'' इस कथन की पुष्टि कीजिए?

"Means of transport and communication are the life lines of any nation". Prove this Statement?

अथवा

Or

भारत के अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की कोई चार विशेषताएं लिखिए?

Write any four characteristics of International Trade?

प्रश्न 13. महामारी आपदा से आप क्या समझते है? इसके प्रमुख कारण लिखिए?

What do you mean by Epidemic Disaster? Write its main causes?

अथवा

Or

घरों में लगने वाली आग की रोकथाम की बुनियादी युक्तियां लिखिए?

Write the basic tips to Prevent Domestic Fire?

प्रश्न 14. चौरी चौरा की घटना का वर्णन कीजिए।

Describe Chauri Choura incident.

अथवा

Or

असहयोग आंदोलन में मध्यप्रदेश की जनता ने अपना सहयोग किस प्रकार प्रदान किया?

In what way the people of Madhya Pradesh made their contribution in the civil disobedience movement.

प्रश्न 15. भारत की परमाणु नीति के सिद्धांतों को समझाइए?

Explain the Principles of Indian Atomic Policy?

अथवा

Or

सन् 1971 के भारत–पाक युद्ध के मुख्य परिणाम लिखिए?

Write Important effects of India-pak War of 1971.

प्रश्न 16. भारत के नागरिकों के मूल कर्तव्यों का वर्णन कीजिए?

Describe the fundamental duties of citizens of India?

अथवा

Or

भारतीय संविधान की कोई पांच विशेषताएं लिखिए?

Write any five features of Indian Constitution?

प्रश्न 17. वैश्वीकरण क्या है? इस प्रक्रिया को प्रोत्साहित करने वाले कारणों को स्पष्ट कीजिए?

What is Globalisation? Explain the causes that motivate this process.

अथवा

Or

समाजवाद के कोई पांच लक्षण समझाइए?

Explain any five features of Socialism?

प्रश्न 18. भारत के दिये गए सीमाकार मानचित्र में निम्नलिखित को दर्शाइये –

(अ) नीलगिरी पर्वत

(ब) नर्मदा नदी

(स) कर्क रेखा

(द) दिल्ली–कोलकाता रेलवे लाइन

(इ) हजीरा–जगदीशपुर गैस पाइप लाइन

Show the following on the given out line map of India -

(a) Nilgiri Mountain

(b) Narmada River

(c) Tropic of Cancer

(d) Railway line from Delhi to Kolkata

(e) Hajeera-Jagdishpur Gas Pipe Line

अथवा

Or

निम्नलिखित मौसमी दशाओं को स्पष्ट करने हेतु संकेत बनाइए –

(अ) हिम

(ब) वर्षा

(स) ओला

(द) कुहरा

(इ) धुंधला प्रकाश

Draw symbol/signs to show the following weather conditions -

(a) Snow

(b) Rainfall

(c) Hail

(d) Fog

(e) Low Sun-light

प्रश्न 19. ''चन्द्रशेखर आजाद एक वीर स्वतंत्रता सेनानी थे''। विस्तार से समझाइए।

"Chandra Shekhar Azad was a brave freedom Fighter". Describe in detail.

अथवा

Or

आजाद हिन्द फौज की स्थापना क्यों की गई? भारत की स्वतंत्रता के लिए इसके योगदान का वर्णन कीजिए।

Why was the Indian National Army set up? Write its contribution to the freedom struggle of India?

प्रश्न 20. आपातकाल की प्रमुख परिस्थितियां कौन–कौन सी है? भारत में यह कब और क्यों लगाया गया?

What are the main situation for emergency? When and why did it declared in India.

अथवा

Or

भारत–बांग्लादेश संबंधों पर एक विस्तृत लेख लिखिए?

Write a detailed note on India and Bangladesh relations.

प्रश्न 21. जिला पंचायत के कोई चार कार्य लिखिए?

Mention any four functions of District Panchayat?

अथवा

Or

प्रधानमंत्री की कोई चार शक्तियों का वर्णन कीजिए?

Describe any four powers of Prime Minister?

प्रश्न 22. आतंकवाद का समाज पर क्या प्रभाव पड़ता है? इसे दूर करने के उपाय लिखिए?

What are the effects of terrorism on the society? What measures should be adopted to fight terrorism?

अथवा

Or

भारत में बेरोजगारी दूर करने के कोई पांच उपायों का वर्णन कीजिए?

Write any five measures which should be adopted to remove unemployment from India?

प्रश्न 23. जल संरक्षण क्यो आवश्यक है? इसके प्रमुख उपायों का वर्णन कीजिए?

Why water conservation is necessary? Describe its main methods.

अथवा

Or

वनों से होने वाले प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लाभ कौन–कौन से है? वर्णन कीजिए।

Describe direct and Indirect advantages of forests.

प्रश्न 24. प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की असफलता के कोई पांच कारण लिखिए?

Write any five reasons of failure of the first freedom struggle.

अथवा

Or

भारत में उग्र राष्ट्रवाद के उदय के पांच प्रमुख कारण लिखिए?

Write any five causes of emergence of Aggressive nationalism in India?

– – – – – –

आदर्श उत्तर

विषय – सामाजिक विज्ञान (Social Science)
कक्षा – दसवीं

उत्तर 1. सही विकल्प –

(i) मछली उत्पादन से

(ii) बर्ड फ्लू

(iii) सूरत अधिवेशन में

(iv) ऊधम सिंह ने

(v) महात्मा गांधी ने

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे। 1+1+1+1+1=5

उत्तर 2. रिक्त स्थान –

(i) राजस्थान

(ii) अहमदाबाद

(iii) सर सैयद अहमद खान

(iv) तीन

(v) अध्यक्ष

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे। 1+1+1+1+1=5

उत्तर 3. सही जोडियां –

	अ	**–**	**ब**
(अ)	भारत की नीति	–	शांति पूर्व सहअस्तित्व
(ब)	परिवहन एवं संचार	–	तृतीयक क्षेत्र
(स)	अमर्त्य सेन	–	आर्थिक कल्याण
(द)	मछली पालन	–	प्राथमिक क्षेत्र
(इ)	यूनाइटेड टेलीकॉम	–	नेपाल

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे। 1+1+1+1+1=5

उत्तर 4. एक वाक्य में उत्तर –

(अ) भारत में आर्थिक नियोजन के अन्तर्गत दस पंचवर्षीय योजनाओं को पूरा किया जा चुका है।

(ब) सेवा क्षेत्र अर्थव्यवस्था का तृतीयक क्षेत्र होता है।

(स) राज्य की कार्यपालिका का प्रधान मुख्यमंत्री होता है।

(द) जनसंख्या की दृष्टि से भारत का विश्व में दूसरा स्थान है।

(द) प्रो. अमर्त्य सेन ने जनकल्याण को विकास का आधार माना है।

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे। 1+1+1+1+1=5

उत्तर 5. सत्य / असत्य –

(i) असत्य

(ii) सत्य

(iii) सत्य

(iv) असत्य

(v) सत्य

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे। 1+1+1+1+1=5

उत्तर 6. कुएं एवं ट्यूबवेल।

उपरोक्तानुसार लिखने पर पूर्ण 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

भूमि से खोदकर निकाले गये पदार्थ को खनिज कहते है। यह अजैव पदार्थ है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर पूर्ण 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 7.

1. क्रांति का समय से पूर्व होना।

2. क्रांतिकारियों में संगठन एवं योग्य नेतृत्व का अभाव।

3. नेतृत्व का अभाव।

4. परंपरावादी हथियार।

उपरोक्तानुसार लिखने पर पूर्ण 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

बहिष्कार का अर्थ विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार से नहीं था अपितु इसका व्यापक अर्थ सरकारी सेवाओं, प्रतिष्ठानों तथा उपाधियों का बहिष्कार है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर पूर्ण 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 8. विश्व बैंक के अनुसार विकसित देशों की प्रति व्यक्ति आय 453000 रूपये प्रतिवर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए।

उपरोक्तानुसार लिखने पर पूर्ण 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

काम मांगने के दिन से अगर 15 दिन तक न मिले तो आवेदन करने वाले व्यक्ति को बेरोजगारी भत्ता पाने की पात्रता होती है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर पूर्ण 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 9. वह क्षेत्र जो उत्पादन में अपनी सेवाओं के द्वारा उत्पादन प्रक्रिया में सहयोग प्रदान करता है। जैसे– परिवहन, विपणन, बैंकिंग, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि।

उपरोक्तानुसार लिखने पर पूर्ण 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

आयात– जब एक देश वस्तुओं को दूसरे देशों से खरीदता है आयात कहलाता है।

निर्यात– जब एक देश वस्तुओं को दूसरे देशों में बेचता है, निर्यात कहलाता है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर पूर्ण 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 10. वस्तु के संबंध में मूल्य, गुण, संरचना, प्रयोग की शर्ते, क्रय के नियम आदि की उपयुक्त एवं पूर्ण जानकारी के अभाव में उपभोक्ता गलत चुनाव करके अपना आर्थिक नुकसान कर बैठता है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर पूर्ण 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

सरकार ने वर्ष 2005 में सूचना प्राप्त करने का अधिकार नाम से कानून बनाया है। यह कानून सरकारी विभागों के क्रियाकलापों की सभी सूचनाएं पाने के अधिकार को सुनिश्चित करता है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर पूर्ण 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 11. **राष्ट्रीय अर्थ व्यवस्था में उद्योगों का योगदान :–**

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद देश की प्रगति हेतु आर्थिक विकास हेतु औधोगिक विकास की आवश्यकता का अनुभव किया गया। सन 1950 में ''राष्ट्रीय योजना आयोग'' की स्थापना हुई। पंचवर्षीय योजनाओं के माध्यम से भारत के औधोगिक विकास हेतु चरणबद्ध उद्देश्य निर्धारित किए गए। राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में उद्योगों के विकास से बहुत लाभ प्राप्त हुए है।

1. उद्योगों के विकास से उत्पादन में वृद्धि होती है जिससे प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि होती है।
2. उद्योगों के विकास से मनुष्य का जीवन स्तर उन्नत होता है।
3. रोजगार के साधनों में वृद्धि होती है। साथ ही मानव संसाधन भी पुष्ट होते है तथा तकनीक विकसित होती है।
4. राष्ट्रीय आय में वृद्धि होती है तथा पूंजी का निर्माण होता है।
5. उद्योगों के विकास से अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों जैसे– कृषि खनिज, परिवहन आदि में प्रगति होती है।

उपरोक्तानुसार विस्तार लिखने पर पूर्ण 4 अंक प्राप्त होंगे

अथवा

औधोगिक प्रदूषण को नियंत्रित करने के चार उपाय :–

1. कल कारखानों की चिमनियों की ऊंचाई बढ़ाकर उनसे निकलने वाली हानिकारक गैंसों के प्रभाव को कम किया जा सकता है। उद्योगों में प्रदूषण नियंत्रण उपकरण लगाए जाना चाहिए। कारखाने की स्थापना से पूर्व ही प्रदूषण अनुमान लगाकर उसको नियंत्रित करने के साधन जैसे वनस्पति आवरण कारखाना परिसर में विकसित किया जाना चाहिए।
2. उद्योगों में प्रयोग किए गए जल को जलाशय व नदियों में सीधे विसर्जित नहीं करना चाहिए बल्कि इस जल का उपचार कर इसे सिंचाई के उपयोग में लाना चाहिए।
3. अपशिष्टों को आधुनिक तकनीक से जलाकर उससे उत्पन्न ताप को ऊर्जा के रूप में प्रयोग किया जा सकता है।
4. उद्योगों द्वारा उत्पन्न शोर को कम करने के लिए नवीन तकनीक का प्रयोग किया जाना चाहिए। इसके लिए शोर शोषक दीवारें भी बनाई जा सकती है। उद्योगों में मशीनों का रखरखाव सही करके मशीनों का शोर कम किया जा सकता है।

उपरोक्तानुसार विस्तार एवं अन्य बिन्दुओं का भी विस्तार देने पर पूर्ण 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 12. **परिवहन तथा संचार के साधन :–**

किसी भी राष्ट्र की आर्थिक प्रगति में परिवहन व संचार साधनों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। परिवहन में रेल परिवहन, सड़क परिवहन, जहाजरानी, जलयान एवं वायुयान आते हैं। संचार के अन्तर्गत डाक सेवाएं तथा दूरसंचार तार टेलीफोन दूरदर्शन आते हैं।

परिवहन व संचार साधनों का अधिक महत्व है।

1. परिवहन व संचार के साधन उत्पादन के सभी साधनों को गतिशीलता प्रदान करते है। इनसे न केवल देश में उपलब्ध साधनों का उचित प्रयोग संभव हो पाता है बल्कि देश में व्याप्त क्षेत्रीय विषमताएं भी कम हो जाती हैं। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न प्रकार के लोगों को एक दूसरे के निकट लाने का महत्वपूर्ण कार्य करते है।
2. परिवहन और संचार के साधन उद्योगों द्वारा निर्मित वस्तुओं को देश के कोने–कोन में पहुंचाने में सहायक सिद्ध होते हैं।
3. इन साधनों द्वारा आर्थिक विकास में योगदान देने वाले सभी साधनों को अधिक से अधिक मात्रा में जुटाया जा सकता है। युद्ध, दुर्घटना, भूकम्प एवं आपातकाल आदि घटनाओं के समय स्थिति का समाचार देना और शीघ्र राहत सामग्री भेजने में सहायता करना।
4. परिवहन व संचार के साधन परस्पर संपर्क स्थापित करने में सहायक होते है। व्यापार के क्षेत्र में माल को खरीदने एवं बेचने में सहयोग देते हैं।

उपरोक्तानुसार विस्तार एवं अन्य बिन्दुओं का भी विस्तार देने पर पूर्ण 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

भारत के अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की विशेषताएं :–

एक देश का अन्य देशों के साथ वस्तुओं का जो विनिमय होता है उसे विदेशी व्यापार कहते है। प्राचीन काल में भारत के व्यापारिक संबंध पश्चिम एशिया एवं यूरोपीय देशों से था।

1. सन् 1947 के पूर्व भारत 50 वस्तुओं का निर्यातक था किंतु अब भारत 7500 वस्तुओं का निर्यात करता है। देश की विकासशील अर्थव्यवस्था की आवश्यकता के अनुरूप आयातित वस्तुओं में भी वृद्धि हुई है। विगत कुछ वर्षों में मूल्य वृद्धि के कारण व्यापार संतुलन प्रतिकूल होता जा रहा है।
2. भारत के विदेशी व्यापार का लगभग 90 प्रतिशत समुद्री मार्ग द्वारा और शेष 10 प्रतिशत में वायु परिवहन एवं सड़क परिवहन का योगदान रहता है।
3. भारत का 50 प्रतिशत विदेशी व्यापार ब्रिटेन संयुक्त राज्य अमेरिका तथा जापान के साथ होता है जो केवल छः पतनों क्रमशः– कोलकाता,, विशाखापट्टम, कोचीन कांडला मुम्बई व चेन्नई से होता हैं।
4. भारत जूट का सामान, चाय, मसाले, रत्न, आभूषण, कम्प्यूटर आदि का भारी मात्रा में निर्यात करता है।

उपरोक्तानुसार विस्तार एवं अन्य बिन्दुओं का भी विस्तार देने पर पूर्ण 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 13. महामारी को किसी ऐसे रोग या स्वास्थ्य संबंधी अन्य घटना के रूप में परिभाषित किया जाता है जो असाधारण या अप्रत्याशित रूप से बड़े पैमाने पर फैल जाती है।

महामारी या प्रकोप की स्थिति तब होती है जब किसी रोग विशेष से ग्रस्त मामलों की संख्या अनुमान से बहुत अधिक हो जाती है। इससे आपातकालीन नियंत्रण उपाय करना आवश्यक हो जाता है।

कारण :– महामारी का प्रमुख कारण विषाणु, जीवाणु, प्रोटोजोआ अथवा कवक होते है। खाद्य पदार्थ एवं पेयजल का संदूषण, बारिश के मौसम में मच्छरों की

वृद्धि पर्यटक एवं प्रवासी लोगों की अत्यधिक भीड़ तथा वातावरण महामारी का प्रकोप लाता है।

महामारियों से ऐसे लोग अधिक प्रभावित होते है जो कुपोषित होते है या अस्वच्छ स्थानों में रहते है जहां जल आपूर्ति घटियां होती है एवं जहां पर स्वास्थ्य सेवाओं की सुलभता नहीं होती, जिन व्यक्तियों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है वे महामारी से ज्यादा प्रभावित होते है। यदि किसी स्थान पर प्राकृतिक आपदा पहले आ चुकी है तो महामारी का प्रकोप जीवन के लिए भयावह स्थितियां उत्पन्न कर देता है।

महामारी से अभिप्राय समझाने पर 1 अंक प्रमुख कारणों को उपरोक्तानुसार विस्तार देने पर 3 अंक प्राप्त होंगे– 1+3=4

अथवा

घरों में लगने वाली आग की रोकथाम हेतु उपाय :–

आग अत्यंत खतरनाक होती है। चक्रवात, भूकम्प, बाढ़ आदि सभी प्राकृतिक आपदाओं को मिलाकर जितने लोगों की मृत्यु होती है उससे कहीं अधिक लोग आग से जलकर मर जाते हैं। इसे रोकने हेतु :–

1. घर के भीतर अत्यधिक ज्वलनशील पदार्थ न रखें। घर में एक अग्निशमन यंत्र अवश्य रखें और इस्तेमाल करना सींखे। घर के प्रत्येक सदस्य को इसके इस्तेमाल का तरीका सिखा दें।
2. जब घर से बाहर जाएं तो बिजली और गैस के सभी उपकरणों को बन्द करके जाएं। एक ही सांकेट में बहुत सारे उपकरण न लगाए। अलमारी अथवा अन्य फर्नीचर लगाकर घर या कमरे का प्रवेश मार्ग बंद न करें।
3. माचिस को बच्चों के हाथ न लगने दें और घर के भीतर किसी को भी बीड़ी, सिगरेट न पीनें दें। जिस गलियारे में धुआं हो वहां हाथों, पैरों या पेट के बल रेंगने का प्रयास करें, क्योंकि फर्श पर धुओं कम होता है।

4. घर में तरल पदार्थों, रसायनों, गैस सिलेन्डरों जैसी जोखिम पूर्ण सामग्री का भंडारण न करें। आग लगने पर दमकल विभाग को बुलाएं उन्हें अपना पता तथा आग की प्रकृति और स्थान की सूचना दें।

उपरोक्तानुसार विस्तार एवं प्रत्येक अन्य बिन्दु लिखने पर 1 अंक एवं पूर्ण 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 14. चौरी–चौरा की घटना का संक्षिप विवरण – गांधी जी ने कर न देने का आंदोलन चलाने के लिए ब्रिटिश सरकार को एक सप्ताह का समय दिया था लेकिन इससे पहले ही 5 फरवरी 1922 को उ.प्र. के गोरखपुर जिले के चौरी–चौरा ग्राम में पुलिस ने भीड़ पर गोली चलाई, इससे जनता उत्तेजित और अनियंत्रित हो गई और थाने को घेर कर उसमें आग लगा दी। जिसमें 22 पुलिस कर्मी जल कर मर गए। अतः गांधी जी ने दुखी होकर असहयोग आन्दोलन रोक दिया।

उपरोक्तानुसार विस्तार देने पर पूर्ण 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

असहयोग आंदोलन में मध्यप्रदेश की जनता ने शराब बंदी, तिलक स्वराज्य फण्ड, विदेशी वस्त्रों का बहिष्कार, सरकारी शिक्षण संस्थाओं का त्याग, राष्ट्रीय शिक्षा संस्थाओं की स्थापना, हथ करघा उद्योग की स्थापना जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में अपना योगदान दिया। वकीलों ने वकालत त्याग दी जो वकील न्यायालय जाना चाहते थे उन्होंने गांधी टोपी पहनकर न्यायालयों में प्रवेश किया। जिला समितियों ने शासकीय आज्ञाओं की अवहेलना कर भवनों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराये।

उपरोक्तानुसार विस्तार विस्तार देने पर पूर्ण 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 15. **भारत की परमाणु नीति के सिद्धांत :–**

भारत की परमाणु नीति को उसकी विदेश नीति के मूल सिद्धांतों के संदर्भ में समझा जा सकता है। भारत की विदेश नीति के तीन मूलभूत सिद्धांत है–

1. राष्ट्रीय सुरक्षा।
2. आर्थिक विकास।
3. विश्व व्यवस्था।

इसके अतिरिक्त भारत उपनिवेशवाद, साम्राज्यवाद, रंगभेद का विरोध करते हुए परस्पर सह अस्तित्व, सभी राष्ट्रों से मित्रता एवं अन्तर्राष्ट्रीय शांति और सद्भाव की नीति में विश्वास रखता है।

भारत की परमाणु नीति का लक्ष्य अपनी सुरक्षा एवं विकास को सुनिश्चित करना है और यह भी ध्यान में रखना है कि एक ऐसे विश्व की स्थापना हो जो सहयोग, सद्भाव और शांति पर आधारित हो। भारत के प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू ने परमाणु बम न बनाने के संकल्प को अनेक अवसरों पर दोहराया। श्रीमती इंदिरा गांधी ने देश की रक्षा को अति महत्वपूर्ण विषय मानते हुए परमाणु नीति पर पुनर्विचार की बात कही। सन् 1974 में इंदिरा गांधी ने पोखरण (राजस्थान) में शांतिपूर्ण परमाणु परीक्षण किया था।

भारत की सीमाओं के निकट परमाणु अस्त्र क्षमता एवं प्रक्षेपास्त्रों की मौजूदगी के कारण आण्विक परीक्षण किये थे। भारत आरंभ से ही शांति दूत रहा है और उसने आण्विक शक्ति दूसरों पर अपनी प्रभुता स्थापित करने तथा दूसरे राष्ट्रों के मामलों में हस्तक्षेप प्राप्त करने के लिए नहीं की है।

उपरोक्तानुसार विस्तार एवं अन्य बिन्दुओं का भी विस्तार देने पर पूर्ण 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

सन् 1971 के भारत–पाकिस्तान युद्ध के परिणाम :–

1. सन् 1965 के पश्चात सन् 1971 में पुनः हार ने पाकिस्तान का मनोबल तोड़ दिया इस युद्ध में पाकिस्तान से सहानुभूति रखने वाले राष्ट्र अमेरिका और चीन के हौंसलों और महत्वाकांक्षा की पराजय हुई।
2. बांगला देश का निर्माण हुआ। इस बात का पाकिस्तान की आन्तरिक राजनीति पर गहरा प्रभाव पड़ा। जनता ने राष्ट्रपति याहियां खां से त्यागपत्र की मांग की। पराजय के कारण पाकिस्तान में प्रदर्शन हुए। याहियां खां को त्यागपत्र देना पड़ा। उनके स्थान पर जुल्फिकार अली भुट्टों ने पद ग्रहण किया, जिन्हें विरासत में कई समस्याएं मिलीं। विभक्त जनमत, विभक्त मनोवृत्ति और विभाजित नेतृत्व वाला पाकिस्तान नियति के चक्र में बुरी तरह फंस गया।
3. भारत को यह समझ में आ गया कि अमेरिका उसका शुभचिन्तक नहीं है। अतः भारत ने सोवियत संघ के साथ मित्रता बढ़ाई।
4. पाकिस्तान के लिए यह युद्ध बड़ा मंहगा सिद्ध हुआ। पाकिस्तान की जनसंख्या शक्ति और क्षेत्रफल कम हुआ। उसे अपने देश के एक विशाल अंग पूर्वी पाकिस्तान से हाथ धोना पड़ा। पूर्वी पाकिस्तान अब बांगला देश के रूप में एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में बना।

भारत पाकिस्तान युद्ध के समय देश के विभिन्न राजनीतिक दलों ने अपने सारे मतभेद भुला दिए। बांगला देश की स्वतंत्रता एक राष्ट्रीय प्रश्न बन गया था।

उपरोक्तानुसार विस्तार एवं प्रत्येक बिन्दु पर 1 अंक एवं पूर्ण 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 16. **नागरिकों के मौलिक कर्तव्य :–**

संविधान के 42वें संशोधन (1976) के द्वारा संविधान में अनुच्छेद 51 क के द्वारा नागरिकों के 11 कर्तव्य निश्चित किए गए है :–

1. संविधान का पालन करें और उसके आदर्शों , संस्थानों, राष्ट्र ध्वज और राष्ट्रगान का आदर करें।

2. स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को ह्रदय में संजोए रखें और उनका पालन करें।
3. भारत की संम्प्रभुता, एकता और अखण्ड़ता की रक्षा करें और उसे अक्षुष्ण रखें।
4. देश की रक्षा करें और आव्हान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करें।
5. भारत के सभी लोगों में समरसता और समान मातृत्व की भावना का निर्माण करें जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो ऐसी प्रथाओं का त्याग करें जो स्त्रियों के सम्मान के विरूद्ध हैं।
6. हमारी सामाजिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्व समझे और इसका परिरक्षण करें।
7. प्राकृतिक पर्यावरण की जिसके अन्तर्गत वन झील, नदी और वन्य जीव है, रक्षा करें और उनका संर्वधन करें तथा प्राणीमात्र के प्रति दया रखें।
8. वैज्ञानिक दृष्टिकोण मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करें।
9. सार्वजनिक सम्पत्ति को सुरक्षित रखें और हिंसा से दूर रहें।
10. व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का प्रयास करें जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई उंचाईयों को छू सकें।
11. यदि माता–पिता या संरक्षक है। छः वर्ष से चोदह वर्ष तक की आयु वाले अपने यथास्थिति बालक या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करें।

उपरोक्तानुसार समझाने पर 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

भारतीय संविधान की पांच विशेषताएं :–

1. **लिखित एवं विशाल संविधान :–** इसका निर्माण संविधान सभा द्वारा किया गया है। भारत का सविधान विश्व का सबसे विशाल संविधान है। इसमें 395

अनुच्छेद और 12 अनुसूचियां है जो 22 भागों में विभाजित हैं। भारत का संविधान लिखित और निर्मित संविधान है। भारतीय संविधान के प्रथम अनुच्छेद के अनुसार भारत राज्यों का एक संघ है। इस प्रकार भारत में संघात्मक शासन की स्थापना की गई है।

2. **संसदीय शासन प्रणाली** :– भारतीय संविधान द्वारा देश में संसदीय शासन प्रणाली की स्थापना की गई है। इस शासन प्रणाली में कार्यपालिका की वास्तविक शक्तियां मंत्री परिषद में निहित होती हैं तथा राष्ट्रपति नाम मात्र का शासक होता है। इस प्रणाली में मंत्री परिषद सामूहिक उत्तरदायित्व के सिद्धांत का अनुसरण करती है। लोकसभा में सरकार के विरूद्ध अविश्वास प्रस्ताव पारित होने पर मंत्री परिषद को त्यागपत्र देना पड़ता है।
3. **स्वतंत्र एवं निष्पक्ष न्यायपालिका** :– नागरिकें के मूल अधिकरों की रक्षा और संविधान की व्याख्या करने का अधिकार होने के कारण न्यायपालिका को स्वतंत्र घोषित किया गया है। संविधान न्यायपालिका को न्यायिक पुनर्विलोकन का अधिकार देता है जिसके अन्तर्गत न्यायपालिका संसद तथा विधान मण्डलों द्वारा पारित कानूनों तथा कार्यपालिका द्वारा जारी आदेशों को अवैध घोषित कर सकती है जो संविधान के प्रतिकूल है।
4. **समाजवादी एवं धर्म निरपेक्ष** :– समाजवादी राज्य का आशय है भारतीय व्यवस्था समाज के समतावादी ढ़ांचे पर आधारित होगी। प्रत्येक भारतीय की न्यूनतम आवश्कताओं की पूर्ति की जाएगी। भारतीय परिस्थिति के अनुसार समाजवाद को अपनाया जाएगा। संविधान में धर्मनिरपेक्ष राज्य का आदर्श रखा गया है। सभी धर्मों की समान रूप से रक्षा करेगा और स्वयं किसी भी पंथ को राज्य के धर्म के रूप में नहीं मानेगा।
5. **मौलिक अधिकार एवं मूल कर्तव्य** :– नागरिकों के संर्वांगीण विकास हेतु मौलिक अधिकार आवश्यक है। भारत के संविधान में नागरिकों के छः मौलिक अधिकारों का प्रावधान है। ये ऐसे अधिकार है जो न्याय योग्य है। इनका उल्लंघन होने पर नागरिक उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय की

शरण ले सकता है। संविधान के 42 वें संशोधन 1976 के द्वारा संविधान में 11 मौलिक अधिकार को निश्चित किया गया है।

उपरोक्तानुसार विस्तार एवं अन्य बिन्दुओं का भी विस्तार देने पर पूर्ण 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 17. **वैश्वीकरण को प्रोत्साहित करने वाले कारण :–**

वैश्वीकरण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके अन्तर्गत सभी व्यापारिक क्रियाओं का अन्तर्राष्ट्रयकरण हो जाता है और वे एक इकाई के रूप में कार्य करने लगती है।

1. **तकनीकी ज्ञान का विस्तार** :– परिवहन प्रौद्योगिकी ने अब लम्बी दूरी तक वस्तुओं को कम लागत पर भेजना संभव बनाया है। दूर संचार सुविधाएं इंटरनेट, मोबाइल फोन, फैक्स ने विश्व भर में एक दूसरे से संपर्क में आने के कार्य को सरल बना दिया है। फलतः वैश्वीकरण का तेजी से विस्तार हुआ है।
2. **प्रतियोगिता एवं बाजार का विस्तार :–** कंपनियां कीमत कम करने के साथ साथ विज्ञापनों एवं प्रचार प्रसार के विभिन्न माध्यमों का उपयोग करती है। नई–नई वस्तुओ के उत्पादन से बाजार का विस्तार हुआ है।
3. **बहुराष्ट्रीय कंपनियों का विस्तार** :– बहुराष्ट्रीय कपनियां केवल वैश्विक स्तर पर ही अपने उत्पादन नहीं बेचती वरन अधिक महत्वपूर्ण यह है कि वे वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन विश्व स्तर पर करती हैं। फलतः विश्व में बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की संख्या बढ़ गई है और उनके कार्यक्षेत्र का विस्तार हो गया है। अनेक भारतीय कंपनियों को भी बहुराष्ट्रीय होने का दर्जा मिल गया है।
4. **विदेशी व्यापार में विस्तार** :– सन् 1995 में विश्व व्यापार संगठन की स्थापना के बाद विश्व व्यापार में तेजी से वृद्धि हुई है। सभी देशों ने संरक्षण

की नीति के स्थान पर स्वतंत्र व्यापार से जुड़ी नीतियों को अपनाया है। परिणामस्वरूप वैश्वीकरण की प्रक्रिया में तेजी आई है।

5. **उदारीकरण की प्रक्रिया :–** अनेक देशों ने अपने द्वारा उत्पादित वस्तुओं को विदेशी प्रतियोगिता से बचने के लिए प्रतिबंध लगा दिए थे। लेकिन भारत ने मशीनरी उर्वरक और पेट्रोल की अनुमति दी थी। इस नीति से देश में अनेक उद्योगों का विकास हुआ और भारत अनेक क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बन गया और विदेशी व्यापार को उदार बनाने की प्रक्रिया प्रारंभ हुई।

उपरोक्तानुसार विस्तार एवं अन्य बिन्दुओं का भी विस्तार देने पर पूर्ण 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

समाजवाद के पांच लक्षण :–

1. **उत्पादन के साधनों पर सामाजिक स्वामित्व** :– समाजवादी अर्थव्यवस्था में उत्पादन के साधनों पर व्यक्तिगत स्वामित्व के स्थान पर समाज का सामूहिक या सरकार का स्वामित्व होता है। देश के बड़े–बड़े उद्योग बैंक बीमा कंपनियां यातायात तथा संचार के साधनों आदि का राष्ट्रीयकरण कर दिया जाता है।
2. **उद्देश्य पूर्ण अर्थ व्यवस्था :–** समाजवादी अर्थव्यवस्था के सुनियोजित लक्ष्य होते हैं और इन लक्ष्यों की पूर्ति के लिए विवेक पूर्ण सतत् प्रयास किये जाते है। अतः समाजवादी अर्थव्यवस्था व्यक्तिवादी अर्थव्यवस्था की भांति अन्धी उद्देश्यहीन व अविवेकपूर्ण नहीं होती है।
3. **आर्थिक नियोजन** :– समाजवादी अर्थव्यवस्था में आर्थिक नियोजन महत्वपूर्ण स्थान रखता है। सरकार आर्थिक नियोजन की नीति को अपनाकर विभिन्न क्षेत्रों के लिए लक्ष्य निर्धारित करती है। क्षेत्रों में समन्वय स्थापित करती है तथा आर्थिक निर्णय लेती है। इसके लिए सरकार एक केन्द्रीय योजना अधिकारी नियुक्त करती है।

4. **प्रतियोगिता का अभाव :–** समाजवादी अर्थव्यवस्था में प्रतियोगिता संभव नहीं होती है। उत्पादन के संभव साधनों पर राज्य का अधिकार होता है।
5. **सामाजिक कल्याण :–** समाजवादी अर्थव्यवस्था में व्यक्तिगत हित के स्थान पर सामजिक कल्याण को महत्व दिया जाता है। इस प्रकार की अर्थ व्यवस्था में आर्थिक क्रियाओं का विश्लेषण तथा उनके बीच समन्वय स्थापित करने का कार्य एक निश्चित योजना के अनुसार किया जाता है जिसमें उत्पादन के साधनों को विभिन्न उद्योगों में इस प्रकार बांटा जाता है कि समाज के सभी व्यक्तियों का अधिकतम सुख मिले तथा सभी का कल्याण हो सके।

उपरोक्तानुसार विस्तार एवं अन्य बिन्दुओं का भी विस्तार देने पर पूर्ण 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 18. भारत के सीमाकर मानचित्र में देखकर कीजिए–

1. नीलगिरी पर्वत
2. नर्मदा नदी
3. कर्क रेखा
4. दिल्ली–कोलकाता रेलवे लाइन
5. हजीरा–जगदीशपुर गैर पाइप लाइन।

अथवा

मौसमी दशा को स्पष्ट करने हेतु संकेत –

(अ) हिम

(ब) वर्षा

(स) ओला

(द) कुहरा

(इ) धुंधला प्रकाश

उपरोक्तानुसार दर्शाने पर प्रत्येक बिन्दु पर 1 अंक एवं पूर्ण 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 19. चन्द्रशेखर आजाद 14 वर्ष की अल्प आयु में असहयोग आंदोलन से जुड़े। गिरफ्तार होने पर अदालत में उन्होंने अपना नाम आजाद पिता का नाम स्वतंत्रता और घर का पता जेलखाना बताया तभी से चन्द्रशेखर के नाम के साथ आजाद जुड़ गया।

क्रांतिकारी विचारधारा के कारण वे लम्बे समय तक गांधीजी के मार्ग पर नहीं चल सके, वे क्रांतिकारी श्रीगुप्त के संपर्क में आए और बाद में पं. रामप्रसाद बिस्मिल के नेतृत्व में उन्होंने युग की महान क्रांतिकारी घटना ''काकोरी काण्ड'' में हिस्सा लिया। जब पुलिस ने आजाद का पीछा किया तो वे बचकर निकल गए।

उत्तर भारत की पुलिस आजाद के पीछे पड़ी थी। दल के साथी विश्वासघात कर चुके थे। जिससे वे चिन्तित और क्षुब्ध थे। इधर ब्रिटिश सरकार की दमनकारी नीति के कारण और अनेक क्रांतिकारी नेताओं की मृत्यु से क्रांतिकारी आंदोलन को बहुत क्षति हुई। उत्तर भारत में क्रांति की बागडोर चन्द्रशेखर आजाद, यशपाल और भगवती चरण के हाथों में आ गई। क्रांतिकारियों ने अंग्रेजी हुकुमत से बदला लेने के लिए वायसराय लार्ड डरविन की ट्रेन को उड़ाने की योजना बनाई। बम का विस्फोट हुआ किंतु वायसराय बच गया।

चन्द्रशेखर आजाद ने इलाहबाद के अल्फ्रेड पार्क में क्रांति की योजना बनाने के लिए 27 फरवरी 1931 में क्रांतिकारियों की एक बैठक बुलाई किंतु दुर्भाग्य से अंग्रेजी पुलिस ने उन्हें घेर लिया। आजाद ने अंतिम क्षण तक अंग्रेजी सिपाहियों से लोहा लिया किंतु उन्हें जब लगा कि वे बच नहीं पायेंगें तो उन्होंने स्वयं को गोली मार ली और अंततः वे वीर गति को प्राप्त हुए।

उपरोक्तानुसार विस्तार एवं अन्य विस्तार देने पर 1 अंक एवं पूर्ण 5 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

आजाद हिन्द फौज :–

जापानियों द्वारा ब्रिटिश सेना के अनेक सैनिक युद्ध में बन्दी बना लिए गए थे। उनमें एक सैनिक अधिकारी केप्टन मोहन सिंह थे जिन्होंने भारतीय युद्ध बन्दियों को संगठित करके फरवरी 1942 ई. में आजाद हिन्द फौज की स्थापना की थी। इस फौज की स्थापना का प्रमुख उद्देश्य भारत की मुक्ति के लिए संघर्ष करना था। सुभाषचन्द्र बोस को रासबिहारी बोस ने आजाद हिंद फौज के संचालन का कार्य सौंपा। सुभाष चन्द्र बोस ने ''दिल्ली चलो'' का नारा भी लगाया। वे कहते थे हमारी मातृभूमि परतंत्रता की बेड़ियों में सिसक रही है। ''तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा।''

सन् 1944 ई. को रंगून से प्रस्थान कर वर्मा में अंग्रेजों को पराजित करने के पश्चात भारत में प्रवेश किया। भारत की भूमि पर आजाद हिन्द फौज ने युद्ध किए तथा अनेक बार ब्रिटिश सेनाओं को परास्त किया और भारत की स्वतंत्र भूमि पर तिरंगा झण्डा फहराया।

इसके पश्चात नागालैण्ड तथा कोहिमा पर भी अधिकार कर लिया परंतु आगे उसे पराजय का मुंह देखना पड़ा। 1945 में एक वायुयान दुर्घटना में सुभाष चन्द्र बोस का स्वर्गवास हो गया। इसी वर्ष अंग्रेजी सरकार ने आजाद हिन्द फौज के सैनिकों पर जिनमें प्रमुख थे– सहगल, ढ़िल्लन तथा शाहनवाज खां आदि पर मुकदमा चला। देश भर में उनकी रक्षा के लिए आवाज उठी अतः ब्रिटिश सरकार को मजबूर होकर सैनिकों को मुक्त करना पड़ा। वास्तव में आजाद हिन्द फौज ने ब्रिटिश साम्राज्य के पतन की क्रिया को और अधिक तीव्र कर दिया।

आजाद हिन्द फौज की स्थापना का उद्देश्य 1 अंक, स्वतंत्रता के लिए योगदान 4 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 20. **आपात काल की प्रमुख परिस्थितियां :–**

वह समय जब संवैधानिक तंत्र की असफलता के कारण राज्य का चलना संभव न हो तब आपातकाल लगाया जाता है।

देश की सुरक्षा, एकता तथा अखण्डता को बनाए रखने के लिए भारत के संविधान में कुछ आपातकालीन प्रावधान किये गये है। भारत के संविधान में भारत के राष्ट्रपति को आपातकालीन (संकटकालीन) शक्तियों से निपटने के लिए विशेष शक्तियां प्रदान की गई है।

सामान्यतः तीन प्रकार के आपातकाल होते हैं जिनकी घोषणा राष्ट्रपति केन्द्रीय मंत्री मंडल के लिखित परामर्श पर कर सकता है।

1. **राष्ट्रीय आपातकाल :–** भारत के राष्ट्रपति यदि संतुष्ट हो जाएं कि स्थिति बहुत विकट है तथा भारत अथवा उसके किसी भाग की सुरक्षा खतरे में है। युद्ध अथवा बाहरी आक्रमण या क्षेत्र के अन्तर्गत सशस्त्र विद्रोह के कारण समस्या विकट हो सकती है तब राष्ट्रपति ऐसी स्थिति उत्पन्न होने से पहले भी आपातकाल की घोषणा कर सकता है। वर्तमान में राष्ट्रपति ऐसी संकटकालीन घोषणा केवल मंत्री मंडल की लिखित अनुशंसा पर ही कर सकता है।
2. **राज्य में संवैधानिक तंत्र की विफलता से उत्पन्न आपातकाल :–** राष्ट्रपति किसी राज्य के राज्यपाल की रिपोर्ट पर या किसी अन्य प्रकार से संतुष्ट हो जाए कि वहां राज्य का शासन विधिपूर्वक चलाया नहीं जा सकता है ऐसी स्थिति में राष्ट्रपति आपातकाल की घोषणा कर संवैधानिक तंत्र की विफलता को रोकने का प्रयास करता है। आम बोलचाल की भाषा में इसे राष्ट्रपति शासन भी कहा जाता है।
3. **वित्तीय संकट :–** यदि राष्ट्रपति संतुष्ट हो जाए कि भारत अथवा इसके किसी भाग की वित्तीय स्थिति या साख को खतरा है तो वह वित्तीय संकट की घोषणा कर सकता है।

भारत में आपातकाल :–

1. राष्ट्रीय आपातकाल भारत में अब तक तीन बार घोषित हो चुका है।
    1. चीन द्वारा भारत पर आक्रमण करने पर 26 अक्टूबर 1962 से 10 जनवरी 1968 तक।
    2. पाकिस्तान द्वारा आक्रमण के कारण 3 दिसम्बर 1971 से 21 मार्च 1977 तक।
    3. आंतरिक उपद्रव की आशंका के आधार पर 25 जून 1975 को भारत में आपातकाल घोषित किया गया।
2. राज्य में संवैधानिक तंत्र की विफलता से उत्पन्न आपातकाल की घोषणा का प्रयोग अनेक बार हुआ है।
3. वित्तीय संकट के कारण भारत में अभी तक कभी भी आपातकाल नहीं लगाया गया है।

उपरोक्तानुसार विस्तार एवं अन्य बिन्दुओं का भी विस्तार देने पर पूर्ण 5 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

भारत–बांगला देश के संबंध :– सन् 1971 में भारत पाक युद्ध की परिणति के रूप में बांगला देश का उदय हुआ। पाकिस्तान और पूर्वी बंगाल के बीच विद्रोह में भारत ने बांगला देश का साथ दिया। इस संग्राम में पाकिस्तान से डरकर अनेक शरणार्थी भारत आ गए थे। भारत ने इनके भोजन आवास की व्यवस्था की और साथ ही बांगला देश की मुक्ति वाहिनी के जवानों को प्रशिक्षित किया। इससे बांगला शरणार्थियों का आजादी प्राप्त करने के लिए उत्साह बढ़ा।

1. **स्वतंत्र बांगला देश की घोषणा :–** 26 मार्च 1971 को शेख मुजीब के नेतृत्व में स्वतंत्र बांगला देश की घोषणा गुप्त रेडियों से की गई। इसके साथ ही पश्चिमी पाकिस्तान का दमन चक्र शुरू हुआ। अंत में 17 अप्रैल 1971 को बांगलादेश में स्वतंत्र प्रभुसत्ता संपन्न गणतंत्र की घोषणा की गई और विश्व की सरकारों से मान्यता प्रदान करने का आग्रह किया गया। मुक्ति संघर्ष के

दौरान लगभग एक करोड़ बांगला देश शरणार्थी भारत में आ गये थे। इसका सीधा प्रभाव भारत की सुरक्षा व एकता व अखण्ड़ता पर भी पड़ रहा था। बांगला देश की समस्या के समाधान के लिए भारत की तात्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने कई पश्चिमी राष्ट्रों की यात्रा की किन्तु उन्हें पूर्णतः सफलता नहीं मिली। अंततः 3 दिसम्बर 1971 को भारत–पाकिस्तान के मध्य युद्ध शुरू हो गया।

2. **बांगला देश को मान्यता :–** बांगला देश के तात्कालिक विदेश मंत्री के अनुरोध पर भारत ने 6 दिसम्बर 1971 को बांगला देश को मान्यता प्रदान कर दी। 8 दिसम्बर 1971 को ही बांगला देश ने हुसैन अली को भारत में अपना प्रथम राजदूत नियुक्त कर दिया।
3. **भारत बांग्ला देश की प्रथम संधि :–** 10 दिसम्बर 1971 को भारत के साथ बांगला देश की प्रथम संधि हुई। इस संधि में भारत सैनिक और आर्थिक आधार पर स्वतंत्र बांगला देश के पुनर्निर्माण के लिए तैयार हुआ। सन् 1971 के युद्ध में पाकिस्तान के पराजित होते ही बांगला देश की सरकार ढ़ाका में स्थापित हो गई। भारत और अर्न्तराष्ट्रीय जनमत के समक्ष घुटने टेकते हुए पाकिस्तान को 8 जनवरी 1971 को अवामी लीग नेता शेख मुजीबुर्रहमान को रिहा करने पर बाध्य होना पड़ा। रिहाई के बाद शेख ने भारत के प्रति अपना आभार व्यक्त किया था।
4. **भारत बांगला देश की द्वितीय संधि :–** बांग्ला देश को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से भारत–बांगला देश की द्वितीय संधि हुई। भारत ने बांगला देश की आर्थिक आन्तरिक व बाह्य समस्याओं के लिए समाधान की जिम्मेदारी ली।

भारत ने बांगला देश के साथ व्यापार और सांस्कृति समझौते भी किए।

उपरोक्तानुसार विस्तार एवं बिन्दुओं का भी विस्तार देने पर पूर्ण 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 21. **जिला पंचायत के कार्य –**

(1) जिले की आंतरिक जनपद पंचायतों तथा ग्राम पंचायतों पर नियंत्रण रखना तथा उनका मार्ग दर्शन करना।

(2) जनपद पंचायत की योजनाओं का उचित ढ़ंग से समन्वय करना।

(3) जिले की उन योजनाओं को जो दो या अनेक जनपद पंचायतों के अंतर्गत विचाराधीन हैं उन्हें व्यवहारिक रूप देना।

(4) प्रमुख प्रयोजनों के लिए पंचायतों द्वारा की गई अनुदान की मांग को राज्य सरकार तक पहुंचाना।

(5) राज्य सरकार द्वारा दिये गये कार्यों को व्यवहारिक रूप देना।

(6) परिवार कल्याण, बाल कल्याण तथा खेल कूद व विकास संबंधी क्रियाकलापों से राज्य सरकारों को सलाह देना।

उपरोक्तानुसार विस्तार एवं प्रत्येक बिन्दु पर 1 अंक एवं पूर्ण 5 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

प्रधानमंत्री की शक्तियां :–

1. **नियुक्ति संबंधी कार्य :–** प्रधानमंत्री राष्ट्रपति से परामर्श कर विदेशों में भारत के राजदूत, राज्यों के राज्यपाल, तीनों सेनाओं के सेनापति, विभिन्न आयोगों के अध्यक्ष एवं सदस्यों आदि की नियुक्तियां करता है।
2. **मंत्री परिषद की बैठकों की अध्यक्षता करना :–** प्रधानमंत्री मंत्री परिषद की बैठकों की अध्यक्षता करता है। मंत्री परिषद में प्रस्तुत किए जाने वाले विषयों की स्वीकृति प्रधानमंत्री देता है। मंत्री परिषद के निर्णय साधारणतया सर्वसम्मति से लिए जाते हैं।
3. प्रधानमंत्री देश एवं विदेश में सरकार का अधिकृत प्रवक्कता होता है।
4. **मंत्री परिषद का गठन :–** मंत्री परिषद के सदस्यों की नियुक्ति प्रधानमंत्री के परामर्श पर राष्ट्रपति करते है। प्रधानमंत्री द्वारा जो सूची तैयार की जाती है राष्ट्रपति उन्हें मंत्री नियुक्त करते हैं। मंत्रियों के विभागों का बंटवारा,

विभागों में परिवर्तन, मंत्रियों के मध्य विभिन्न विभागों का बंटवारा प्रधानमंत्री करता है। आवश्यकतानुसार वह मंत्रियों के विभागों में परिवर्तन कर सकता है।

5. **मंत्रियों के विभागों एवं कार्यों में हस्तक्षेप :–** यद्यपि विभागों के मंत्री अपने–अपने विभागों के कार्यों को सरकारी नीतियों के अनुसार संचालित करते है तथापि प्रधानमंत्री आवश्यकतानुसार किसी भी विभाग के कार्यों में हस्तक्षेप कर सकता है। वह संबंधित मंत्री को आवश्यक सुझाव, निर्देश मार्गदर्शन दे सकता है।

उपरोक्तानुसार विस्तार एवं अन्य बिन्दु पर 1 अंक एवं पूर्ण 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 22. **आतंकवाद के प्रभाव :–**

1. नागरिकों में असुरक्षा की भावना जागृत हो जाती है।
2. आर्थिक विकास के मार्ग में बाधा आती है। जिस गति से विकास कार्य करने है उन्हें छोड़कर बचाव कार्य करने होते हैं। इससे शासकीय योजनाएं प्रभावित होती है।
3. जनधन की बहुत हानि होती है। सरकारी और निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचता है।
4. आतंकवाद से अघोषित युद्ध जैसी स्थिति बन जाती है कुछ राष्ट्र आतंकवाद को कूटनीति साधन के रूप में उपयोग करते हैं।
5. आतंकवादियों द्वारा अक्सर बम विस्फोट जैसे कार्य किये जाते है।
6. ये राज्य और समाज को बांटने का कार्य करते है।

आतंकवाद को दूर करने के उपाय :–

आज आतंकवाद एक विश्व व्यापी समस्या के रूप में खड़ा है। यह देशों की भौगोलिक समीाओं को लांघ चुका है। इसके लिए सभी राष्ट्रों को मिलकर इसका समाधान खोजना चाहिए। भारत सरकार को कश्मीरी आतंकवाद से

निपटने के लिए कड़ा रूख अपनाना चाहिए एवं सभी देशवासियों को एकजुट होकर आतंकवाद का सामना करना चाहिए।

सुरक्षा व्यवस्था की तैनाती में कमजोर बिन्दुओं की पहचान और उन्हें दूर करने की दिशा में कार्यवाही करना चाहिए। हमारी पहली प्राथमिकता होनी चाहिए एवं संपूर्ण देशवासियों को एकजुट होकर आतंकवाद का सामना करना चाहिए।

समाज पर प्रभाव 1 अंक एवं दूर करने के उपाय 4 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

भारत में बेरोजगारी दूर करने के पांच उपाय :–

1. **जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण :–** बेरोजगारी की समस्या के समाधान हेतु जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण किया जाना आवश्यक है। इसके लिए परिवार कल्याण कार्यक्रम का व्यापक रूप से प्रचार व इसे क्रियान्वित किया जाना चाहिए अन्यथा बेरोजगारी की समस्या कभी समाप्त न होने वाली समस्या बनकर रह जाएगी।
2. **कुटीर एवं लघु उद्योगों का विकास :–** देश में अधिक से अधिक व्यक्तियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए कुटीर तथा लघु उद्योगों का विकास किया जाना चाहिए।
3. **जन शक्ति नियोजन :–** आर्थिक विकास की आवश्यकता के अनुरूप शिक्षित और प्रशिक्षित एवं कार्य कुशल, जन शक्ति की आपूर्ति के लिए जन शक्ति नियोजन आवश्यक है। इससे श्रमिकों को उनकी योग्यता एवं इच्छानुसार रोजगार उपलब्ध होगा तथा सेवा योजकों को आवश्यकता के अनुसार कुशल श्रमिकों की उपलब्धि हो सकेगी।
4. **शहरो की ओर ग्रामीण जनता के प्रवाह पर रोक :–** ग्रामीण क्षेत्रों से आकर शहरों में बसने की प्रवृत्ति पर रोक लगानी चाहिए। इसके लिए गांवों में रोजगार के अवसर उत्पन्न करने होंगे व अन्य आकर्षक पारिश्रमिक देना

होगा। लघु एवं कुटीर उद्योगों की ओर विशेष ध्यान देकर उन्हें प्रोत्साहित करना चाहिए।

5. **प्राकृतिक संसाधनों का समुचित विकास :–** भारत में प्राकृतिक संसाधनों के विपुल भंडार हैं जिनका यथोचित उपयोग किया जाना चाहिए। इससे अधिकाधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे और बेरोजगारी की समस्या को हल किया जा सकेगा।

उपरोक्तानुसार विस्तार करने पर प्रत्येक बिन्दु पर 1 अंक एवं पूर्ण पर 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 23. **जल संरक्षण की आवश्यकता एवं प्रमुख उपाय :–**

जल संरक्षण :– जल एक मूल्यवान संपदा है। इससे हमारी मूलभूत आवश्यकताएं पूर्ण होती है। पृथ्वी पर जीवन का आधार जल ही है। वनस्पति एवं जीव जन्तुओं के शरीर में जल का अंश प्रधान होता है। मनुष्य के शरीर में 70 प्रतिशत जल होता है।

जल संसाधन संबंधी अनेक प्रकार की समस्याएं है जिनका संबंध संसाधनों की उपलब्धता गुणवत्ता तथा प्रबंधन से है। स्वतंत्रता के समय सिंचाई व उद्योगों के लिए जल पर्याप्त रूप से उपलब्ध था परंतु अब जनसंख्या वृद्धि के कारण हर क्षेत्र में कमी हो रही है।

गर्मियों में जल संसाधनों का अभाव प्रायः संपूर्ण दक्षिण भारत में होता है जबकि वर्षा ऋतु में जल की कमी नहीं पाई जाती।

जिन प्रदेशों में नलकूपों से सिंचाई होती है, वहां विद्युत प्रदाय की स्थिति पर जल संसाधनों की उपलब्धता निर्भर है। इन सभी कारणों से जल संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग और संरक्षण तथा प्रबंधन आवश्यक हो गया है।

जल संसाधनों की सीमित आपूर्ति तेजी से बढ़ती हुई मांग और इनकी असमान उपलब्धता के कारण इनका संरक्षण आवश्यक है। इसके लिए निम्नलिखित तीन कदम आवश्यक है :–

1. वर्षा जल संग्रहण तथा इसके अपवाह को रोकना।

2. छोटे–बड़े सभी नदी जल संमरो का वैज्ञानिक प्रबंध करना।

3. जल को प्रदूषण से बचाना।

उपरोक्तानुसार विस्तार एवं अन्य बिन्दुओं का भी विस्तार देने पर पूर्ण अंक 6 प्राप्त होंगे।

अथवा

वनों से होने वाले प्रत्यक्ष लाभ :–

1. लकड़ी की प्राप्ति :– वनों से प्राप्त लकड़ी एक महत्वपूर्ण ईंधन है। वृक्षों से सागोन, साल, देवदार, शीशम, आबनूस चंदन आदि की लकड़ियां मिलती है।

2. गौण पदार्थों की प्राप्ति :– वनों से बांस, बेंत, लाख, साल, शहद, गोंद , चमड़ा रगने के पदार्थ, जड़ी बूटियां आदि गौण पदार्थ प्राप्त होते हैं।

3. चरागाह :– वन पशुओं के उत्तम चरागाह व निवास स्थल होते है। जहां जानवरों के लिए भोजन भी प्राप्त होता है।

4. रोजगार :– वनों से प्राप्त कच्चे पदार्थों के आधार पर उद्योग चलते है जिससे कई लोगों को रोजगार मिलता है।

5. विदेशी मुद्रा का अर्जन :– वनों से प्राप्त लाख, तारपीन तेल, चंदन लकड़ी से निर्मित कलात्मक वस्तुएं निर्यात करने से विदेशी मुद्रा का अर्जन होता है।

अप्रत्यक्ष लाभ :–

1. जलवायु को सम बनाए रखना :– वन जलवायु को मृदु बनाकर गर्मी और सर्दी की तीव्रता को कम करते है।

2. वर्षा में सहायक :– वाष्पोत्सर्जन क्रिया तथा वनों की नमी के कारण बादल नमी प्राप्त कर वर्षा करते है।

3. बाढ़ों से रक्षा :– वन पानी के वेग को कम करते है तथा बाढ़ के पानी को सोख लेते है जिससे बाढ़ पर नियंत्रण होता हैं

4. भूमि के कटाव पर रोक :– वन भूमि के कटाव को रोकते है जिससे मृदा की ऊपरी सतह नहीं बह पाती और भूमि के आवश्यक पोषक तत्वों में कमी नहीं होती।

5. उर्वराशक्ति में वृद्धि :– वृक्षों के पत्ते, घास, पेड़ व पौधे झाड़ियां आदि भूमि पर गिरकर सड़कर ह्यूमस का निर्माण करती है और भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ाती है।

उपरोक्तानुसार विस्तार एवं अन्य बिन्दुओं का भी विस्तार देने पर पूर्ण 6 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 24. **प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की असफलता के पांच कारण :–**

1. **समय से पूर्वः–** 1857 की क्रांति निर्धारित तिथि से पूर्व प्रारंभ कर दी गई थी जिससे यह असफल हो गई। यदि यह क्रांति एक निर्धारित कार्यक्रम के तहत लड़ी जाती तो इसे सफलता अवश्य मिलती।
2. **नेतृत्व का अभाव :–** 1857 के प्रथम स्वतंत्रता आंदोलन में सशक्त और रणनीति बनाने में योग्य नेतृत्व का अभाव असफलता का एक बड़ा कारण था। इस आंदोलन को किसी एक व्यक्ति ने नेतृत्व नहीं दिया जिस कारण से यह आंदोलन अपने उद्देश्य में पूर्णतः सफल न हो सका।
3. **संगठन और एकता का अभाव :–** 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के असफल रहने के पीछे संगठन और एकता का अभाव प्रमुख रूप से उत्तरदायी रहा। इस क्रांति की न तो कोई सुनियोजित योजना ही तैयार की गई न ही कोई ठोस कार्यक्रम था। इसी कारण यह सीमित और असंगठित बन कर रह गया।
4. **परम्परावादी हथियार :–** प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में भारतीयों के पास आधुनिक हथियार नहीं थे जबकि अंग्रेज सैनिक पूर्णतः आधुनिक हथियार व गोला बारूद का उपयोग कर रहे थे। भारतीय सैनिक अपनी परम्परावादी

पोषाक परम्परावादी हथियार, तलवार, तीर कमान, भाले, बरछे आदि के सहारे ही युद्ध के मैदान में कूद पड़े थे जो उनकी पराजय का कारण बना।

5. **भारतीय नरेशों, गोरखों और सिक्खों ने अंग्रेजों का साथ दिया :–** पटियाला, जींद, ग्वालियर व हैदराबाद के शासकों ने विद्रोह के उन्मूलन में अंग्रेजों को सहयोग किया। यदि समस्त भारतवासी पूर्ण उत्साह से अंग्रेजों के विरूद्ध संगठित हो जाते तो अंग्रेज पूर्णतया नष्ट हो जाते। इस तरह यह स्वतंत्रता संग्राम अपने उद्देश्य में सफल नहीं हो सका।

उपरोक्तानुसार विस्तार एवं अन्य बिन्दु का विस्तार देने पर पूर्ण 6 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

भारत में उग्र राष्ट्रवाद के उदय के पांच कारण :–

1. **उदारवादियों की कार्य पद्धति के प्रति असंतोष :–** उग्र राष्ट्रवादी नेताओं को अनुभव हुआ कि प्रार्थना पत्रों, ज्ञापन आदि देकर अपनी बात मनवाने के तरीके से भारतीयों को राजनैतिक अधिकार प्राप्त होने वाले नहीं है। वे अंग्रेजों के विरूद्ध सशक्त एवं प्रबल जन आंदोलन आरंभ करना चाहते थे।
2. **ब्रिटिश शासन की प्रतिक्रियावादी नीति :–** भारतीयों के प्रति ब्रिटिश शासन का दृष्टिकोण अत्यधिक अमानवीय और प्रजातीय भेदभाव से पूर्ण था। लार्ड लिटन और लार्ड कर्जन ने भारतीयों की जातीय भावना को ठेस पहुंचायी।
3. **ब्रिटिश सरकार की आर्थिक नीति :–** ब्रिटिश सरकार की आर्थिक शोषण की नीति के कारण भारतीय कृषि और उद्योग धंधों को अपार क्षति पहुंची। ब्रिटिश आर्थिक नीति पूंजीपतियों के हित संरक्षण की थी। इंग्लैण्ड में निर्मित वस्तुओं पर से आयात कर समाप्त कर दिया गया। इससे भारतीय कुटीर उद्योगों को बड़ा नुकसान हुआ।
4. **सामाजिक धार्मिक एवं सांस्कृतिक आंदोलन :–** धार्मिक और सामाजिक सुधारकों ने भारतीय जनता में आत्म विश्वास पैदा कर दिया था तथा भारतीय जनमानस को अन्याय के विरूद्ध सतत् संघर्ष करने के लिए तैयार

किया। राजा राम मोहन राय और दयानंद सरस्वती ने समाज में व्याप्त निष्क्रियता, हीनता और उदासीनता की प्रवृत्ति पर कठोर प्रहार किया।

5. **दुर्भिक्ष एवं प्लेग :–** 19वीं शताब्दी के उत्तार्द्ध में भारतीयों को अनेक प्राकृतिक विपदाओं का सामना करना पड़ा। अकाल के समय भारत की ब्रिटिश सरकार दिल्ली दरबार के शानदार आयोजन में व्यस्त थी। दुर्भिक्ष और प्लेग जैसी प्राकृतिक विपदाओं और उसके प्रति ब्रिटिश सरकार के उपेक्षापूर्ण रूख ने उग्र राष्ट्रवाद की भावनाओं में वृद्धि की।

उपरोक्तानुसार विस्तार एवं अन्य बिन्दु का विस्तार देने पर पूर्ण 6 अंक प्राप्त होंगे।

– – – – – –